

श्रमाञारण

EXTRAORDINARY

भाग II---क्षण्ड 3---उपकाण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 150]

नई विल्ली, मगलवार, **प्र**गस्त 24, 1971/भाद्र 2, 1893

No. 150]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 24, 1971/BHADRA 2, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th August 1971

G.S.R. 1218:— The following Order made by the President is published for general information:—

C.O. 89

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR) AMENDMENT ORDER, 1971

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order:—

- 1. (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Amendment Order, 1971.
 - (2) It shall come into force at once.

- 2. In paragraph 2 of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954,—
 - in the opening portion, for the words, brackets and figures "and the Constitution (Twenty-first Amendment) Act, 1967," the words, brackets and figures, "the Constitution (Twenty-first Amendment) Act, 1967 and section 5 of the Constitution (Twenty-third Amendment) Act, 1969" shall be substituted;
 - (2) in sub-paragraph (4) (relating to PART III), for clause (h), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(h) in article 32, clause (3) shall be omitted.";
 - (3) in sub-paragraph (5A) relating to PART VI), for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(a) Articles 153 to 217, article 219, article 221, articles 223, 224, 224 and 225 and article 227 to 237 shall be omitted.".

V. V. GIRI,

President.

[No. F. 19(8)/70-LI.]

N. D. P. NAMBOODIRIPAD, Jt. Secy.

विधि ग्रौर व्याय मंत्रालय

(विषायी विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 24 भ्रगस्त, 1971

सा० का० नि० 1218.—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित स्रादेश सर्व-साधारण जी जीनकारी के लिए प्रकाणित किया जाता है :—

सं । पा । 89

संविधान (जन्मू ग्राीर कश्मीर की लागू होना) संशोधन श्रावेश, 1971

राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 370 के खण्ड (1) द्वारा प्रवत्त सवितयों का प्रयोग करते हुए, जम्मू श्रीर कश्मीर राज्य की सरकार की सहमति से, निम्नलिखित आदेश करते हैं :—

- (1) इस श्रादेश का नाम संविधान (जम्मू श्रीर कम्मीर को ल गू होना) संशोधन श्रादेश,
 1971 होगा।
- (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
- 2. संविधान (जम्मू ग्रीर कश्मीर को लागू होना) ग्रादेश, 1954 के पैरा 2 में:--
- (1) आरम्भिक भाग में, "और संविधान (इक्कीसवां संशोधन) श्रीधानियम, 1967" शब्दों, कोष्ठकों और श्रंकों के स्थान पर "संविधान (इक्कीसवां संशोधन) श्रीधानियम 1967 और संविधान (तेईसवां संशोधन) श्रीधानियम, 1969 की धारा 5" शब्द, कोष्ठकों और श्रंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

- (2) भाग 3 से संस्विन्धित उप पैरा (4) में, खण्ड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा श्रर्थात :----
 - ''(ज) श्रनुच्छेद 32 में, खंड (3) को लुप्त कर दिया जाएगा।'';
- (3) भाग 6 से संम्बन्धित उप पैरा (5क) में, खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रथांत :---
 - "(क) अनुष्छेद 153 से 217, अनुष्छद 219, अनुष्छेद 221, अनुष्छेद 223, 224, 224क और 225 तथा अनुष्छेद 227 से 237 लुप्त कर दिये जाएंगे।"

व० **वे**० गिरि, राष्ट्रपति ।

[सं॰ फा॰ 19(8)/70/वि॰-I] एन॰ डी॰ पी॰ नम्बूदिरिपाद, संयुक्त सचिव